हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 7 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 35 .5 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

12 गवर्नमेंट ब्वायज स्कूल में नशे से मुक्ति डायरिया...

11 देवशयनी एकादशी पर श्याम मंदिरों में उमड़ी भीड़...

खबर संक्षेप

बिहार के श्रमिक ने पेड़ से फंदा लगाकर जान दी

रेवाड़ी। बिहार से झज्जर के साल्हावास में मजदूरी के लिए आए एक श्रमिक ने पेड़ से फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

बिहार के पूर्णिया का रहने वाला विकास अक्सर साल्हावास गांव में अपने दोस्तों के साथ मजदूरी करने के लिए आता था। इस बार भी वह साल्हावास आया हुआ था। वह और उसके साथी किराए के मकान में रह रहे थे। चार दिन पहले अचानक विकास लापता हो गया। उसके साथियों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। रामगढ़ रोड पर फ्लाईओवर के पास विकास का शव एक पेड़ से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

कुतुबपुर में छापा मारकर शराब बरामद

रेवाड़ी। मोहल्ला कुतुबपुर में छापा मारकर रामपुरा पुलिस ने अवैध शराब बरामद की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुतुबपुर निवासी गुलशन उर्फ लुचड़ी शनि मंदिर के पास शराब बेच रहा है। सूचना मिलने के बाद रामपुरा पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद गुलशन प्लास्टिक का कट्टा छोड़कर भाग गया। पुलिस ने कट्टे की तलाशी ली तो उससे 226 पव्वे देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

जुआ खेलने के आरोप में चार गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि चार लोग ताश के रूप में जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां आनंद नगर निवासी बिरेंद्र, बारा हजारी निवासी मोहन, मुक्तिवाड़ा निवासी मुकेश व कुतुबपुर निवासी मोनू कुमार जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने चारों को काबू करते हुए ताश के पत्ते व जुए की 3080 रुपये राशि बरामद की।

मारपीट व धमकी देने के दो आरोपी काबू

धारूहेड़ा। महेश्वरी में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गत 26 जून को दो भाइयों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने उस पर हमला करते हुए मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में पुलिस ने महेश्वरी निवासी आशीष व उसके भाई सोनू को गिरफ्तार कर लिया।

कॉपीराइट एक्ट के तहत आरोपी काबू

कुंड। थाना खोल पुलिस ने कॉपीराइट एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक कंपनी प्रतिनिधि की शिकायत के आधार पर गत वर्ष 10 दिसंबर को केस दर्ज किया था। कंपनी प्रतिनिधि ने उसकी दुकान से कंपनी के नकली उत्पाद पकडे थे। रेड पड़ने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के बालपुरा निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू को गिरफ्तार कर लिया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 21 जून को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इस मामले में पुलिस ने सुलखा निवासी सतेंद्र राणा को गिरफ्तार कर लिया।

शहर के सरकुलर रोड व बाजार सहित सभी मार्गों के फुटपाथों पर चल रही दुकानदारी

शहर के फुटपाथों पर दुकानदारों व रेहड़ी-फड़ी वालों का कब्जा, खरपतवार से घिरा पैदल पथ

हेमंत शर्मा ⏭ रेवाड़ी

शहर के सभी मार्गों पर बने फुटपाथों पर लोगों ने अवैध कब्जा किया हुआ है। ज्यादातर जगह फुटपाथों पर रेहड़ी व फड़ी लगाने वाले लोगों की दुकानदारी चल रही है, वहीं सरकुलर रोड सहित मेन बाजार में दुकानदारों ने फुटपाथ पर अपना सामान व होर्डिंग रखे हुए है। सरकुलर रोड, बावल रोड, दिल्ली रोड, गढ़ी बोलनी रोड, नारनौल रोड व मुख्य बाजार में लंबे समय से फुटपाथ पूरी तरह अतिक्रमण की गिरफ्त में है। शहर के फुटपाथों पर लोगों के अवैध कब्जे हटाने में प्रशासन भी मूकदर्शक बना हुआ है। राहगीरों को सड़क से वाहनों के बीच गुजरना पड़ रहा है। नगर परिषद व अतिक्रमणकारियों के बीच लंबे समय से लुकाछिपी का खेल चल रहा है। नगर परिषद शहर को अतिक्रमण मुक्त करने में नाकाम साबित हो रही है। अतिक्रमण के कारण शहर में अव्यवस्था फैलने के साथ सड़कों पर जाम की स्थिति भी बन रही है।

रेवाड़ी। नेहरू पार्क के बाहर फुटपाथ पर लगी सब्जी व नारियल की दुकान तथा अनाजमंडी के बाहर खरपतवार से घिरा फुटपाथ। फोटो : हरिभूमि

बाजार से मुश्किल से निकल पाते टू-व्हीलर

मुख्य बाजार मोती चौक, गोकल बाजार, रेलवे रोड व काठमंडी में अतिक्रमण से बुरा हाल है। शहर के मेन बाजार में अगर कहीं पर आग लग जाए तो अग्निशमन की गाड़ियां पहुंचना भी संभव नहीं है, क्योंकि सड़क के बीचों बीच रेहड़ियां खड़ी रहती है और दुकानदारों का सड़क पर 8 से 10 फीट तक कब्जा हैं। नगर परिषद अतिक्रमण हटाती है, लेकिन ठोस कदम नहीं उठाने के कारण फिर से सामान सड़कों पर आ जाता है। बाजार में सबसे ज्यादा हालत खराब रेलवे रोड की है। जहां पुलिस चौकी के पास ही हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। दुकानदारों ने फुटपाथ पर अपना सामान सजाया हुआ है। काफी दुकानदारों ने तो दुकानों के आगे किराये पर रेहड़ी-पटरी वाले लोगों को जगह दी हुई हैं। बाकी बची हुई कसर खरीददारी के लिए आने वाले लोग कार व मोटरसाइकिल खड़ी करके पूरी कर देते हैं। बाजार की 60 फीट से ज्यादा की सड़क संकरी होकर 10 फीट की रह गई है, जिससे लोगों को निकलने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खरपतवार से घिरे है फुटपाथ

बरसात के सीजन में मार्गों व खाली पड़ी जगहों में भारी संख्या में खरपतवार उग गई है। शहर में जहां फुटपाथों पर अतिक्रमण नहीं है वहां फुटपाथ खरपतवार से पूरी तरह घिर गए है, जिससे लोगों को निकलने के लिए जगह ही नहीं बची है। नगर परिषद भी खरपतवार को हटाने में कोई रूचि नहीं ले रही है। यहां तक कि कई सड़कों पर डिवाइडर पर भी फालतू के पौधे पैदा हो गए है, जिनका कोई औचित्य नहीं है। कई पौधों की बेल तो स्ट्रीट लाइटों के पोल पर चढ़ रही है। यह पौधे धीरे-धीरे बढ़कर वाहन चालकों के लिए परेशानी पैदा करेंगे। नेहरू पार्क से अनाजमंडी रोड पर फुटपाथ पूरी तरह खरपतवार से घिर चुक है। यहां तक कि नेहरू पार्क के बाहर फुटपाथ पर सब्जी मंडी खुल चुकी है, जबकि पार्क के पास में ही नगर परिषद सफाई शाखा का कार्यालय स्थित है।

रेवाड़ी। डिवाइडर पर ऊगी खरपतवार, सचिवालय रोड पर पेड से ढका फुटपाथ तथा बावल रोड पर खरपतवार से घिरा सड़क मार्ग। फोटो : हरिभूमि

सड़क से गुजरने में अनहोनी का डर

फुटपाथों पर अतिक्रमण के कारण लोगों को सड़क से गुजरते वाहनों के पास से होकर पैदल गुजरना पड़ता है, जोकि जोखिम भरा काम है। इससे हमेशा वाहन से टकराने का डर बना रहता है। लोगों का कहना है कि प्रशासन इस तरह के अतिक्रमण को हटाने में दिलचस्पी दिखाए। रेहड़ी व पटरी वाले दुकानदारों के लिए अलग से जगह अलॉट की जाए, लेकिन नगर परिषद लंबे समय से इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

भाभी के साथ कर रहा था मारपीट, पुलिस की ईआरवी पर कुल्हाड़ी से किया हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

- आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया

नूरपुर में एक महिला के साथ शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहे देवर को काबू करने के लिए पुलिस पहुंची, तो उसने ईआरवी पर तैनात ईएचसी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही काबू करते हुए उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

पुलिस को डायल-122 पर गांव की महिला सुनीता देवी ने कॉल किया था। महिला ने आरोप लगाया था कि उसका देवर कृष्ण कुमार उसके साथ शराब के नशे में झगड़ा रहा है। वह उसके साथ गाली-गलौज कर रहा है।

सूचना मिलने के बाद कंट्रोल रूम की ओर से ईआरवी को इवेंट पर भेज दिया गया। रोहड़ाई थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में ईआरवी के ईएचसी महेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर जाकर महिला व उसके देवर कृष्ण उर्फ बंटी से बातचीत शुरू की, तो कृष्ण ने ईएचसी अजीत पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में ईएचसी बाल-बाल बच गया। इसके बाद कृष्ण ने ईआरवी को भी कुल्हाड़ी से क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने उसके मौके पर ही काबू कर लिया। बाद में उसे रोहड़ाई पुलिस के हवाले कर दिया। शराब के नशे में धुत्त होने के कारण पुलिस ने आरोपी का नागरिक अस्पताल में मेडिकल कराया। बाद में आरोपी ने खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया।

लालपरी की बोतल लहराकर मचा रहे थे हुड़दंग छह आरोपियों को खिलाई हवालात की हवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

- 6 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, उनके कब्जे से दो बाइक भी बरामद की गई

नारनौल रोड पर बाईपास के पास शनिवार की रात शराब की बोतलें लहराते हुए हुड़दंगबाजी कर रहे 6 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से दो बाइक भी बरामद की गई हैं।

पुलिस को रात को सूचना मिली थी कि दो बाइकों के साथ शराब ठेके के पास मौजूद 6 युवक हाथ में शराब की बोतल लिए हंगामा कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा करते हुए आरोपियों को काबू कर लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में तुलाराम विहार कॉलोनी में रहने वाले बिहार के बेगूसराय निवासी सुमित, यूपी के धनोली निवासी फिरोज, राजस्थान के बिगाना निवासी रविंद्र, चरखी दादरी के बलाली निवासी नीरज, महेंद्रगढ़ के नांगल काठा निवासी राकेश और नितेश शामिल हैं। पुलिस ने उनकी दोनों बाइकों को भी कब्जे में लिया है। आरोपियों के खिलाफ रामपुरा थाने में केस दर्ज किया गया है।

रेवाड़ी। सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते युवक। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी विस क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों को लेकर की समीक्षा

- विधायक ने विधानसभा क्षेत्र के किए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर सुझाव भी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

गढ़ी बोलनी रोड स्थित रेस्ट हाउस में रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र में कराए जाने वाले विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की, जिसकी अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि दल के अध्यक्ष दीपक मंगला ने की। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह ने सर्वप्रथम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धन्यवाद रैली के लिए सभी का आभार जताया। विधायक ने शहर तथा विधानसभा क्षेत्र के किए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर कार्यकर्ताओं से सुझाव भी मांगे तथा आगामी योजनाओं की जानकारी भी दी। विधायक ने कहा कि जिले को विकास के पायदान पर अग्रिम पंक्ति में लाकर खड़ा करना ही उनका उद्देश्य है।

इसके लिए तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी अपने-अपने स्तर पर योगदान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि शहर में चलाए जा रहे सफाई अभियान के 37 सप्ताह पूरे हो चुके हैं। अभियान के साथ-साथ रोको-टोको अभियान से जुडकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। शहर को गंदगी मुक्त तथा स्वच्छ व सुंदर बनाने में सभी का सहयोग जरूरी है।

इस मौके पर जिला महामंत्री सत्यदेव यादव, ईश्वर चनेजा, डा. कविता गुप्ता, यशवंत भारद्वाज, पूर्व जिला पार्षद अमित यादव, कुमारी गीता, नगर पार्षद एडवोकेट भूपेंद्र गुप्ता, श्यामसुंदर चुघ, मनीष गुप्ता, रमेश भालिया, दीपा भारद्वाज, मीरसिंह सरपंच आशियाकी, सुमन चौहान, चांदनी चांदना, सरोज सिक्का, सुरेखा ढींगड़ा, सीमा राय, अनुराधा सैनी व आशा मखीजा सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

रेवाड़ी। भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक लेते विधायक।

मंगलवार से शुरू होगी बावल से चंडीगढ़ की बस सेवा

- बावल क्षेत्र के लोगों ने विधायक का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

बावल क्षेत्र के लोगों की मांग पर मंगलवार से बावल से चंडीगढ़ तक रोडवेज बस सेवा शुरू की जाएगी। हरियाणा राज्य परिवहन की बस को मंजूरी दिलाने में विधायक डा. कृष्ण कुमार की अहम भूमिका रही। मंगलवार 8 जुलाई को विधायक डा. कृष्ण कुमार सुबह 4:30 बजे बस को हरी झंडी दिखाकर चंडीगढ़ के लिए रवाना करेंगे। चंडीगढ़ से इस बस की वापसी शाम 4:30 बजे होगी। विधायक ने बताया कि खंड खोल के गांव कोलाना से जयपुर तक बस सेवा भी शीघ्र ही शुरू की जाएगी। बावल क्षेत्र के लोगों ने विधायक का आभार जताया है।

डा. कृष्ण कुमार विधायक

परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर में आवाजाही तथा फोटोकॉपी करने पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से आगामी 14 जुलाई तक आयोजित की जा रही सैकेंडरी की सभी विषयों, कंपार्टमेंट, ईआईओपी व सुधार तथा सीनियर सैकेंडरी की कंपार्टमेंट की परीक्षाओं को शांतिपूर्ण एवं व्यवधान रहित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधीश अभिषेक मीणा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा आदेश जारी किए हैं।

जिलाधीश ने कहा कि परीक्षा के दौरान भीड़ एकत्र होने की आशंका, शांति भंग होने तथा परीक्षाओं के संचालन में बाधा उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए 14 जुलाई तक जिले के निर्धारित परीक्षा केंद्रों के चारों ओर 200 मीटर की परिधि में व्यक्तियों की स्वतंत्र आवाजाही और फोटोकॉपी मशीनों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने कहा कि यह आदेश केवल आम नागरिकों पर लागू होगा, पुलिस व ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारियों को इससे छूट दी गई है। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा।

- आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी

प्रदर्शन अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन रविवार को 20वें दिन भी जारी रहा

संघर्ष कमेटी झुकने को तैयार नहीं, रामगढ़-भगवानपुर में ही सरकारी अस्पताल बनाएं प्रदेश सरकार

- संघर्ष कमेटी ने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी की ओर से सरकारी अस्पताल बनाने की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन रविवार को 20वें दिन भी जारी रहा। धरने पर रामगढ़ भगवानपुर सहित क्षेत्र के आसपास के गांव बुड़ानी, बुड़ाना, फिदेडी, हांसाका, बालियर खुर्द, फदनी, गोकुलपुर, कुंभावास, तुर्कियावास, खटावली व मीरपुर गांवों के सैकड़ों ग्रामीण व महिलाएं शामिल रहे। इस मौके पर संघर्ष कमेटी के वक्ताओं ने कहा कि महापंचायत में जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन भेजा गया था। उन्होंने कहा कि भगवानपुर गांव ने शहर के जलघर के लिए 10 एकड़ जमीन दी है, इसलिए सरकार अपने केंद्रीय राज्यमंत्री के वादे को पूरा करने के लिए 200 बेड का अस्पताल गांव में खोले, तब ही सरकार का सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास का नारा सार्थक होगा। वक्ताओं ने कहा कि राव इन्द्रजीत सिंह का यह कहना कि रामगढ़ भगवानपुर के 40 फीसदी लोगों ने उन्हें वोट नहीं दिया। उनकी यह सोच संविधान की समानता व बराबरी की मूल भावना के खिलाफ है। केंद्रीय मंत्री को ग्रामीणों के साथ किया वादा निभाना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण अपनी मांग पर अड़गि है और झुकने के लिए तैयार नहीं है। सरकार गांव में ही सरकारी अस्पताल का निर्माण करें।

रविवार को पवन कुमार राठौड़ शांति कुंज अनाथ आश्रम मोड़ी ने धरना स्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों को अपना समर्थन दिया। धरने पर अनिल कुमार सरपंच प्रतिनिधि भगवानपुर, लालसिंह, कॉमरेड रमेशचन्द्र, रविन्द्र, उदयराज राव नंबरदार, रामकुमार, मोहर सिंह, महीपाल सिंह, शेरसिंह, शीशपाल, करतार, मनोज अन्ना, सुधीर कुमार, सतीश सरपंच, कंवर सिंह फोरमैन,अनिल सरपंच गोकुलपुर, पवन शर्मा, रवि दहिया, दिनेश सैनी, रामचन्द्र सैनी, राजकुमार सैनी, इंद्रजीत, सत्यवीर, अभय सिंह, सिंह, इंद्रजीत नंबरदार, गणेश चंद, सुरेन्द्र सिंह इंस्पेक्टर, दयाराम, राजकुमार, राजबीर, वीरेंद्र सिंह, रोशनलाल, रामनारायण, राजबाला, राजेश्वरी, ग्यारसी, शकुंतला, बिमला, कमला, सुनीता, कृष्णा, आशा व रमेश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी। रामगढ़ में धरने पर बैठे हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

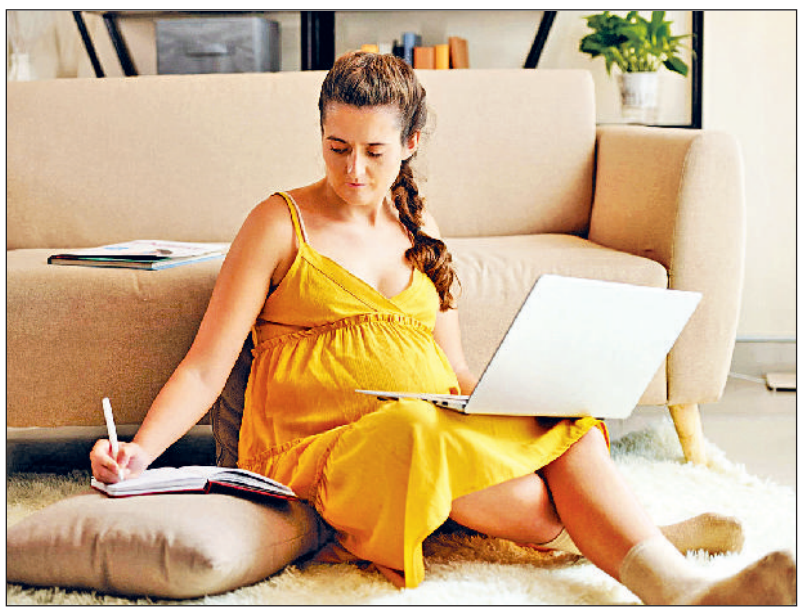

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।
- स्वामी विवेकानंद

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी।

अब आगे...

कहानी
इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है।

अ दीप्ति ससुराल जाती ट्रेन में बैठी हज़ारों बातें सोचती है, मेरा भी उतना ही अधिकार है पापा की संपत्ति पर, जितना दोनों भाइयों का है लेकिन अम्मा दो-पांच हज़ार की विदाई देते कैसा मुँह बनाती हैं ! भाभियों की कौन कहे, वे पराए घर से आई हैं, जब जन्म देने वाली माँ ही पराया मानती है।"

सोचती जाती है और आँसू बहते जाते हैं। पति ने टोका, "ट्रेन में मत रोओ। सब देख रहे हैं। अच्छा, बताओ, विदाई कितने की मिली है ?"

शादी को एक साल हो चला। इस बीच एक बड़ा झगड़ा हुआ। सास वेणी एक शादी-समारोह में गई थी जहाँ बहू की बड़ी भाभी सुरेखा से भेंट हो गई। बातों-बातों में वेणी बोली,

"कानों में तो बड़े सुंदर झाले पहने हैं सुरेखा तुमने! पुराना सोना जान पड़ता है।"

"हाँ ! ये मेरी मम्मी ने दिए थे।"

"बहुओं से भर-भर के दहेज लिया और बेटी को देते अंटी न खुली !"

"ऐसा क्यों कहती हैं आंटी जी ? क्या कमी रखी है हमने? क्या नहीं दिया जो अब तक माँगती हैं ?"

सुरेखा की बात सुन वेणी तिलमिला उठी।

"हम ही क्यों बनवाएं उसके लिए जब मायके वाले इतना भी न दे सके ? अपनी बेटियों को मैंने दो-दो जोड़ी बुँदे, झुमकियाँ बनवा कर दी थीं !"

"क्या बात करती हैं? तोला भर सोने की झुमकियाँ बनवा कर दी थीं हमने विदाई में। दीप्ति दीदी ने बताया नहीं आपको ?"

"तोले भर सोने की झुमकियाँ ?"

सास के गुस्से का कोई पारा न रहा। घर आकर इतनी ऊँची आवाज में कलह किया कि पड़ोसी अपने-अपने फ्लैट्स के दरवाज़े खोलकर बाहर आ गए। ससुर रोकते जाते थे, बेटा रोकता जाता था लेकिन सास की आवाज़ आसमान तक बुलन्ध थी। लेकिन बहू एक चुप, हजार चुप !

'योगेश, अब या तो तेरी बहू उन तोले भर सोने की झुमकियों का हिसाब दे या निकल जाए इस घर से !"

"बताती क्यों नहीं, कहाँ हैं झुमकियाँ?" जब पति ही मारने को आगे बढ़ा तो दीप्ति ने मरी-मरी सी आवाज में कहा,

"खो गईं।"

"खो गईं ? तोले भर सोने की झुमकियाँ खो गईं? कैसे खो गईं ? क्या अपने पापा को दे आईं?"

योगेश मारता उसे अगर बीच में ससुर न आ गए होते। सास का गुस्सा महीनों शांत न हुआ। ननदें फोन करतीं तो वो बहू को सुना-सुना कर हज़ार बातें सुना देती उसके मायके वालों को।

दीप्ति से खूब काम लिया जाता। घर के कामों से फारिग होती तो बाहर के कामों की सूची तैयार रहती। जब से शादी हुई, घर में योगेश ने इधर की सींक उठाकर उधर न रखी थी। दीप्ति ही बाजार, सौदा-सुलफ सब करती। कभी पलंबर को बुलाती, कभी कबाड़ी को रद्दी तुलाती।

लेकिन इस सब के बीच, उसके मन में पढ़ाई की लगन लगी रहती। सास वेणी देखती और कुढ़ती। एक रात सास की नींद खुली तो देखा ड्राइंग रूम की बत्ती जल रही है। रात के ग्यारह बजे थे। बहू हॉल में दीवान पर बैठी कुछ लिख रही थी।

"अरे ! अब तक जागती हो ? सवेरे फिर योगेश का टिफिन बनाने में आलस करोगी। जाओ सो जाओ।"

"नहीं। मैं बना दूँगी सब समय पर।"

"लाइट बंद करो और जाओ। इधर की बत्ती जलती है तो मुझे अपने कमरे में नींद नहीं आती।"

"लेकिन, मैं तो हमेशा यहीं पढ़ती हूँ; अभी तक तो आपने कभी नहीं कहा ऐसा !"

"तो अब कह रही हूँ, ये बत्ती न जलाया करो।"

"तो रात को मैं कहाँ पढ़ूँ ? कमरे में टेबल लैम्प से भी इनकी नींद में खलल पड़ता है।"

बहू अपने आप से कहती चली गई और रसोई में बत्ती जलाकर फिर लिखने लगी। उस दिन से दीप्ति ने हॉल या रसोई में पढ़ना बंद कर दिया। फ्लैट में हॉल के अलावा दो ही तो कमरे थे। अब कहाँ पढ़े ? वो रात को बाथरूम में बैठकर नोट्स बनाती; और दिन में किताब खोले घर के कामकाज के बीच कुछ-कुछ याद करती रहती। कभी कलाई पर, कभी हथेली पर, कुछ उतार लेती और मन में दोहराया करती। बी.एड. के साथ-ही-साथ वो शिक्षक पात्रता परीक्षा की भी तैयारी कर रही है। सोचती, बी.एड. कर लेगी और अगले ही साल शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर लेगी तो सरकारी शिक्षक की नौकरी करने के योग्य हो जाएगी। छह महीने बाद, तीसरे सेमिस्टर की परीक्षा का रिजल्ट आया जिसमें दीप्ति ने अपने कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गर्भवती हो गई थी तो भी स्कूटी चलाकर कॉलेज जाती रहती। गर्भावस्था के पूरे दिन चल रहे हैं; और बी.एड. अंतिम वर्ष के फाइनल सेमिस्टर की परीक्षाएं भी। हर दिन मनाती है, बस परीक्षा पूरी हो जाए तब डिलीवरी हो ! लेकिन ...जो भाग्य बदलने निकलते हैं, उन्हें सबसे पहले अपनेआप से लड़ना पड़ता है !

रात से हल्का-हल्का दर्द हो रहा था लेकिन वो सब कामकाज करती रही और साथ में किताब भी खोले रही। कल तीन बजे उसका आखिरी पर्चा है। लेकिन सुबह होते-न-होते दर्द की लहर काबू से बाहर हो गई। सास के साथ ऑटो से वो सरकारी अस्पताल पहुंची और आधे ही घंटे में उसकी डिलीवरी हो गई।

आगे एक घंटा तो दिमाग कुछ न जानता था। तंद्रा-सी थी। बस अपनी बेटी को सीने से चिपटाए आँखें बंद किए पड़ी रही। घंटे भर बाद, उसकी आँखें आधी खुलीं। सामने दीवार घड़ी दोपहर के बारह बजा रही है।

"मेरा पेपर है तीन बजे !"

"अब काये का पेपर ? अब इस लड़की को सम्हालो ! मैं घर जा रही हूँ; गुड़ बनाकर लाती हूँ। घर का खाना भी बनाना है। रात तक आ जाऊँगी या योगेश आ जाएगा सोने यहाँ। कल अपने मायके से बुला लो किसी को। अकेले मुझसे नहीं करते बनेगा सब।"और सास फोन लगाती हुई बाहर निकल गई।

"हाँ चंचल ! तुम बुआ बन गयीं! और क्या होना था! मैं तो पहले ही कहती थी, लड़की ही जनेगी!"

जाती हुई सास की बात दीप्ति के कानों में पड़ती है। वो सुनी-अनसुनी कर देती है। पति योगेश को किसी ने बताया है अथवा नहीं, दीप्ति को नहीं पता। उसने बेटी को निहारा, फिर घड़ी देखी।

-परीक्षा देनी है !

प्रसूता पुकारती है, "कोई है?"

कोई नहीं सुनता। उसने फिर अपनी ताकत जुटाकर पुकारा है, "कोई मदद कर दो !"

भाग्य द्वार तक आया, लेकिन भीतर नहीं। एक नर्स झाँककर पूछती है, "क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई नहीं? क्या कुछ खाने को चाहिए?"

"मेरा बी.एड. का पेपर है तीन बजे से। क्या गाड़ी मिल जायेगी एग्जाम सेंटर तक जाने के लिए ?"

नर्स अवाक उसे देखती रह गई। हज़ारों जचगी इस अस्पताल में देखीं-करवाईं, ऐसी जनानी नहीं देखी !

वो निवेदन दोहराती है; नर्स क्या कहे !

"मैडम से पूछकर बताती हूँ।"

और नर्स डॉक्टर के सामने है।

"बिल्कुल नहीं! अभी घंटे भर पहले ही डिलेवरी हुई है। अब 24 घंटे तो बिस्तर से उठने की अनुमति नहीं दे सकते !"

नई डॉक्टर अपने कागज़ों में उलझी, उत्तर देकर इस बात को भूल जाती लेकिन ... कोई है जो लड़ रहा है भाग्य से ! ... भाग्य विधाता से !

"मैडम जी प्लीज !" सामने एक अधमरी-सी आवाज़ है।

डॉक्टर नज़र उठाकर देखती है।

"मेरा पेपर है बी.एड. का। फिर नहीं कर पाऊँगी। न फिर फीस भर पाऊँगी। प्लीज मुझे एग्जाम सेंटर तक पहुँचा दीजिए।"

दरवाज़े से टिकी सद्य प्रसूता अपनी नवजात को लिए किसी तरह खड़ी है। या तो वो खुद ही गिर जाने वाली है या उसकी गोद से नवजात खिसकी जाती है।

उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टर चिल्लाती है, "तुम पागल हो क्या!"

जच्चा-बच्चा को वापस बेड तक पहुँचाया गया। बड़े डॉक्टर साहब से बात की गई। गाड़ी तो अस्पताल में कोई मौजूद थी नहीं। एक गाड़ी बाहर गई हुई है। समय रहते लौट आई तो कुछ हो सकता है। नई डॉक्टर मदद के लिए दूसरे अस्पताल फोन लगा रही है। गाड़ी की व्यवस्था होते-होते दो घंटे निकल गए। अस्पताल से एग्जाम सेंटर 35 किलोमीटर दूर है। गाड़ी में जच्चा-बच्चा को लिटाया गया और नर्स क्योंकि वैसे ही स्टाफ में कम हैं, वर्क लोड बहुत ज़्यादा। एक सफाईकर्मी दीदी को साथ कर दिया गया। वे चलीं तो नई डॉक्टर पीछे से देखती, अपने मित्र ट्रेनी डॉक्टर को फोन करती कहती है, "अभी पता है क्या हुआ ?"

... किसी की मदद कर, वो इस पल अपनी ही नज़रों में हीरो है !

एग्जाम सेंटर तक वे पहुँची हैं और सहायिका दीदी को नवजात दे, किसी तरह दीप्ति एग्जाम सेंटर के अंदर तक पहुँचती है। परीक्षा चालू हो चुकी है। सैकड़ों परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। उसे देख चलते पेन रुक-रुक जा रहे हैं।

"सर! मैडम ! मेरे पास प्रवेश पत्र नहीं है लेकिन मुझे अपना रोल नंबर याद है। और आप तो मेरे पिछले पेपर में भी ड्यूटी पर थीं। प्लीज मुझे पेपर देने दीजिए। क्या मैं बहुत लेट हो गई हूँ ?"

वो पन्द्रह मिनट लेट हो चुकी है लेकिन उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया गया। उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र दिया गया। वो खड़े-खड़े ही किसी तरह उत्तर पुस्तिका पर लिखना शुरू करती है।

"बैठ कर लिख लो।" परीक्षक मैडम उससे कहती हैं।

"बैठ नहीं पाऊँगी। चार घंटे पहले डिलीवरी हुई है।"

"तो क्यों आईं परीक्षा देने ऐसे हाल में ? अपनी और इसकी जान को खतरे में डाल कर ?"

"जेवर बेचकर फीस भरी थी; छूट जाती पढ़ाई तो फिर नहीं कर पाती।"

परीक्षक उसे दो पल को देखती रहीं फिर केंद्र अध्यक्ष के कक्ष की ओर तेज़ कदमों से चली गईं। केंद्र अध्यक्ष ने सुना तो सन्नाटे में आ गए। कोई नरम बिस्तर या आरामदायक खटिया तो नहीं थी लेकिन एक तख्त का इंतजाम कर दिया गया, एक खाली पड़े कक्ष में।

आधे घंटे बाद, अपनी उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, सहायिका और नवजात के साथ सद्य प्रसूता को उस कक्ष में तख्त तक पहुंचा दिया गया।

कोई तकिया नहीं। एक परीक्षक ने अपना पर्स दे दिया है जिसे सिरहाने लगाए, सद्य प्रसूता उत्तर पुस्तिका लिखने में लीन है। बीच-बीच में एग्जाम सेंटर के अन्य परीक्षक आ–आकर उसे देख जा रहे हैं। चार घंटे की डिलीवरी में एक परीक्षार्थी पेपर देने आई है !

बीच में, नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम-अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है। (समाप्त)

लघुकथा
विकास यशकीर्ति

पांचवां बेटा

दौलत राम। तुम्हारे चार चार बेटे होते हुए भी आज ये नौबत आ गई कि तुम्हें अपना पुश्तैनी मकान गिरवी रखना पड़ रहा है।' सेठ हजारी प्रसाद दौलत राम के सामने प्रेनोट रखते हुए बोला। 'और सुना है - परदेस में अच्छा कमा रहे हैं।' चश्मे को नाक की नोंक पर रखकर हजारी प्रसाद ने दौलत राम को नंगी आंखों से घूरते हुए अपना व्यंग्य बाण चलाया। 'क्या करें, सेठ जी। सब के अपने अपने खर्चे हैं, अपनी अपनी जिम्मेवारियां हैं।' जग हंसाई से बचने के लिए अपने नालायक बेटों की छोटी-मोटी वकालत दौलतराम खुद ही कर लिया करता था। दौलत राम ने प्रनोट पर साइन करने के लिए जैसे ही पेन उठाया, उसके फोन पर एक मैसेज चमका ' रुपे फाइव लैक्स इन यूअर अकाउंट' दौलत राम फ़ोन में आए इस मैसेज की गहराई को परत दर परत खोलने लगा। तभी एक टेक्स्ट मैसेज और फ्लैश हुआ।

' क्या सिर्फ कहने के लिए बेटा कहते थे, पापा ?'

इस बार दौलतराम ने देखा, मैसेज नेहा बिटिया का था जिसके दो साल पहले उसने हाथ पीले कर दिए थे। दौलतराम हैरानी के साथ फोन को निःशब्द होकर देखता रहा। 'किसका मैसेज है दौलत राम ?' हजारी प्रसाद ने दौलत राम की तंद्रा भंग की। दौलत राम की आंखों में नमी थी। 'कौन है ? ' सेठ फिर चिल्लाया। 'पांचवा बेटा' सिर्फ ये दो शब्द बोलकर दौलतराम कांपता हुआ उठा और प्रनोट वापस हजारीप्रसाद को देकर आंखे पौंछता हुआ बाहर चला गया।

कविता
पं. कमल कांत भारद्वाज

ज़माने की कशमकश

मुझे लगता है ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ
इस कशमकश में कल कोई और था
आने वाले कल में कोई और होगा
ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ

जो दिखता है ख़ुश ज़िंदगी में
क्या पता, वो भी परेशान हो जिंदगी में
मुझे मेरे ही ग़म लगते हैं ज़्यादा
क्या पता, नहीं दिख रहे
उसके ग़म हो मुझसे भी ज़्यादा

दर-ब-दर भटकता रहा मैं
हर एक कदम पे ख़ुद से लड़ता रहा मैं
एक नई उम्मीद की तलाश में
अपनों से दूर चला गया मैं
ज़माने की इस काशमकश में

जीवन है ही संघर्षों का मेला
सब लगे हैं जिंदगी की कशमकश में
आज मैं हूँ, कल तुम
फिर कोई और होगा
ज़माने की इस कशमकश में
मुझे लगता है मैं अकेला तो नहीं हूँ
ज़माने की इस कशमकश में

कविता
प्रज्ञा गांधी

वो लड़की

परियों जैसी है वो लड़की
भोली और शैतान बड़ी
समझदार भी है कितनी
और कितनी नादान भी
उसकी आंखें देखी मैंने
आंखों से बातें करती है
कितनी प्यारी लगती है
जब हिरण सी चलती है
सुनहरी जुल्फें हैं उसकी
प्यारी प्यारी बातें हैं उसकी
कितनी मासूम है वो
और हजारों उसकी शरारतें हैं
छोटी छोटी बातों पर भी
वो खुश हो जाती है
छोटी छोटी बातों पर ही
आंसू भी वो भरती है
पर, सपने हैं उसके बड़े
आसमां में उड़ना चाहती है
स्वाभिमान के लिए
आत्मसम्मान के लिए
और कुछ कर गुजर जाने के लिए
जिद बड़ी है उसकी
बाती बनकर जलने की
रोशनी फैलाने की
परियों जैसी वो लड़की
भोली और शैतान भी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक नीरु मित्तल का मानना है कि आज के आधुनिक युग में भी साहित्य गतिशील है और गद्य हो या पद्य, दोनों विधाओं में ही नवीन शैलियों का विकास हो रहा है। लघुकथा, लघुकविता, नवगीत जैसी विधाएं अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं। छायावाद से आगे हम प्रयोगवाद पर आ गए हैं। साहित्य पर सामाजिक, राजनीतिक चेतनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

साहित्य और समाज एक-दूसरे के बिना अधूरे: डॉ. नीरू मित्तल

सा हित्य के क्षेत्र में कविता, गजल, कहानी, व्यंग्य, लघुकथा, लेख निबंध, समीक्षा जैसी विधाओं का मानवीय एवं सामाजिक सरोकार के लिए काफी महत्व है। इन्हीं मूल्यों को लेकर साहित्यकार एवं लेखक साहित्य सृजन करने में जुटे हैं, जिसमें लेखकों का मकसद समाज को नई दिशा और सकारात्मक विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं जुड़े रहने का संदेश देना है। लेखिका एवं साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल अपनी ऐसी ही लेखन विधाओं के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य साधना करती आ रही हैं। अपने साहित्यिक सफर को लेकर डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज और साहित्य एक दूसरे के बिना जीवंत नहीं रह सकते।

वरिष्ठ महिला साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल का जन्म 26 जून 1958 को अजमेर (राजस्थान) में हरिश चन्द्र गुप्ता और दम्यंती देवी गुप्ता के घर में हुआ। परिवार में कोई भी साहित्य माहौल नहीं था लेकिन उन्हें बचपन में ही तुकबंदियां करते हुए कुछ न कुछ लिखने में अभिरुचि हुई। स्कूल में भी वे कविताएं सुनाती और उनकी लिखी कविताएं स्कूल और कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने लगी, तो उनके पिताजी ने बहुत प्रोत्साहित करना शुरु कर दिया। उनके लेखन की शुरुआत कविताओं से हुई, लेकिन वह जल्द ही कहानियां भी लिखने लगी। जब वह कॉलेज में पढ़ रही थी, तो उनकी रचनाएं आकाशवाणी पर प्रसारित होने लगी और पिता अजमेर से रिकार्डिंग के लिए आकाशवाणी केंद्र जयपुर ले जाते थे। बकौल डॉ. नीरू मित्तल, साल 1981 में उनकी जयपुर में बैंक ऑफ बडौदा में नौकरी लग गई। इसके बाद साल 1984 में उनका विवाह हरियाणा के पंचकूला में हुआ। इस वजह से उन्होंने अपना स्थानांतरण पंचकूला की बैंक शाखा में करा लिया और यहीं से वह सेवानिवृत्त हुई। हालांकि शादी के बाद वह अपनी बैंकिंग की नौकरी, परिवार और बच्चों में अत्यधिक व्यस्त हो गई और लेखन बहुत सीमित रह गया। लेकिन इस दौरान भी वह नराकास के कार्यक्रमों में भाग लेती रही और पुरस्कार जीतती रही। बच्चे जब कॉलेज में चले गए और उन्हें कुछ समय मिलने लगा तो साहित्य के प्रति लगाव पुनः जागृत हो गया और उन्होंने हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य सृजन को नई दिशा दी। उनकी रचनाओं का फोकस मुख्य रूप से समाज में व्याप्त विडंबनाओं, कुंठाओं बेबसी, आक्रोश, अनेक विषमताएं और लोगों की जिजीविषा जैसे सामाजिक सरोकार के मुद्दे और समस्याओं पर रहा है, इन्हीं पर उनकी कलम सक्रिय रही, जिसमें नारी विमर्श भी उनके लेखन में स्वतः ही झांकने लगा। बकौल नीरु मित्तल, साहित्य के अलावा उन्हें गायन और नृत्य का भी शौक रहा है। वह अपने हम उम्र साथियों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ भी करती हैं। जहां वे कहानी, लघुकथा, लेख निबंध, कविता, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण, समीक्षा और साक्षात्कार ज जैसी विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटी हैं, वहीं वह योगा शिक्षिका भी रही और सामाजिक गतिविधियों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी किये हैं।

उन्हें देश के वरिष्ठ साहित्यकारों व रचनाकारों का सानिध्य मिला है। उनकी रचनाएं देश ही नहीं विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं। चंडीगढ़ दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र जयपुर से समय-समय पर उनकी कविताओं व रचनाओं का प्रसारण तो हो ही रहा है, वहीं रेडियो 'अपना विनीपेग' कनाडा और 'जस टीवी' कनाडा पर भी उनके साहित्यिक काव्य पाठ कार्यक्रम और साक्षात्कार प्रस्तुत हुए हैं। कई विदेशी मंचों जैसे 'रूट्स टू हिंदी काव्यांजलि' शिकागो, 'निर्मल रोशन मंच' न्यूयॉर्क, 'महिला काव्य मंच' इंडोनेशिया पर भी वे अपनी कविताएं प्रस्तुत कर चुकी हैं। यहाँ वह यह बात अवश्य कहना चाहती हैं कि विदेश में बैठे भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने देश से कहीं गहराई से जुड़े हुए हैं। वह उनकी निष्ठा और समर्पण को नमन करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. नीरू मित्तल की प्रकाशित पुस्तकों में काव्य संग्रह-अनकहे शब्द, शब्दों की परछाइयाँ, चट्टान पर खिले फूल, पंचतत्त्व और मैं, कहानी संग्रह-रिश्तों की डोर, कोहरे से झाँकती धूप, लघुकथा संग्रह-तिनका तिनका मन, प्रतिबिम्बों की अनंत यात्रा, बाल साहित्य-मेरे वर्णमाला गीत, छू लो आसमान प्रमुख रूप से पाठकों के सामने हैं। उन्होंने खुशियाँ लौटेंगी, सुनहरी यादों के झरोखों से नामक पुस्तकों का संपादन भी किया। वहीं पंजाबी रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया है।

डॉ. नीरू मित्तल

पुरस्कार व सम्मान

लेखिका डॉ. नीरू मित्तल को हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान, बाल सहित्य सम्मान, डॉ कैलाश अहलूवालिया स्मृति सम्मान पुरस्कार, डॉ. श्यामसुंदर व्यास स्मृति सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, स्मृति साहित्य सम्मान, संस्कृति संवाहक पुरस्कार, शब्द निष्ठा सम्मान, लघुकथा सेवी सम्मान, साहित्य सारथी सम्मान और मां भारती साहित्य के सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'
जन्मतिथि : 26 जून 1958
जन्म स्थान : अजमेर(राजस्थान)
वर्तमान निवास : पंचकूला (हरियाणा)
शिक्षा : एम. कॉम, सी.ए.आई.आई.बी
संप्रति : बैंकिंग सेवा से निवृत, साहित्यकार, कथाकार, कवयित्री, योग शिक्षिका

सामाजिक उपयोगिता का कविता संग्रह 'मैं पेड़ हूँ'

पुस्तक : मैं पेड़ हूं
लेखिका : अर्चना कोचर
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक, नोएडा

पुस्तक समीक्षा
डॉ. ज्ञानप्रकाश 'पीयूष'

सा हित्य लेखन एवं समाज सेवा में संलग्न, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित साहित्यकार अर्चना कोचर किसी परिचय की मोहताज नहीं।

' मैं पेड़ हूँ' लघुकविता-संग्रह इनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक है, जो भाव सौंदर्य एवं शिल्प सौष्ठव की दृष्टि से बहुत प्रभावशाली है। यह पुस्तक विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को आधार बनाकर दस-दस पंक्तियों के मुक्त छंद में सृजित की गई हैं तथा उनके औषधीय गुणों, सामाजिक उपयोगिता एवं पौराणिक उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए प्रांजल भाषा में व्यंजित की गई हैं। रुद्राक्ष, पीपल,कदम्ब, अशोक बरगद, अक्षय वट के साथ चंदन, देवदार, चीड़,नीम, सागवान,पलाश, अमलतास गुलमोहर, शीशम, सफेदा, बबूल, आदि छायादार एवं सहजता से उपलब्ध पेड़ों के महत्व को भी प्रतिपादित किया गया है तथा आँवला, आम अनार,अमरुद, सेब,जामुन, नारियल, अंजीर,सुपारी, जायफल, नींबू, केला, बादाम, अखरोट, काजू ,खुबानी, पिस्ता, चिलगोजा, आलू बुखारा, आदि फलदार वृक्षों पर भी सारगर्भित लघुकविताओं का सृजन किया गया है जो अत्यंत श्लाघनीय है। ये कवयित्री के अद्भुत रचना कौशल, साहस, परिश्रम एवं जुनून को प्रतिपादित करता है। इनके अतिरिक्त मखाना, पान बनारस वाला, आल स्पाइस,केसर, तुलसी,आक, शमी, सप्तपर्णी, लता मंजरी जैसे अनेक पेड़-पौधों को भी कलमबद्ध किया गया है जो कवयित्री की आन्तरिक प्रतिभा,अध्यवसाय, एवं सृजन क्षमता को रेखांकित करती हैं। 'नारियल का पेड़' लघु कविता एक बिम्बात्मक चित्र द्रष्टव्य है- खाने को फल, तंदुरुस्ती के लिए पानी/ दूध-मलाई की, कल्पवृक्ष ने लिखी कहानी/ सुख समृद्धि में, श्री हरि विष्णु, लक्ष्मी का कृपानिधानी/ त्रिदेव के त्रिनयन, श्रीफल की इष्ट अर्पण बानी है/ पवित्र कलश में विराजित/ मंगल कार्यों में श्रीगणेश/ हवन की पूर्णाहुति, नवरात्र, कन्या पूजन में विशेष/ जन्म पूजन में नारियल, कफन में चढ़ता यह विनेश है /नारियल का तेल केश निखार/त्वचा की मसाज है/ ताड़- शराब, कठोर खोल,चारकोल/ इसका अंग-अंग कीमती/ लोगों का इलाज है। इसकी भाषा अत्यंत सरल एवं शैली सरस व सारगर्भित है। यह कृति हर दृष्टि से उपादेय है और अर्चना कोचर की सकारात्मक सोच एवं आशावादी दृष्टिकोण की परिचायक है। उत्कृष्ट कृति के लिए कवयित्री को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की पंचायत की समीक्षा

बावल। भारतीय किसान यूनियन चढूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान नेता गुरुनाम सिंह चढूनी ने रविवार को बावल में निजी प्रोग्राम में शिरकत की। भारतीय किसान यूनियन चढूनी जिला उप प्रधान जगदीश की पोती की शादी में राष्ट्रीय प्रधान पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ 3 अगस्त को होने वाली पंचायत की समीक्षा की तथा किसानों की समस्याओं को भी सुना। इस मौके पर युवा प्रदेश अध्यक्ष विक्रम कसाना, प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान नरवाल, संगठन सचिव हरपाल सिंह, जिला प्रधान समय सिंह प्रधान, राजेंद्र कुमार गेरा रहे।

कैंप में 129 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी । यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 129 मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान करके फ्री दवाईयां वितरित की गई। शिविर में डा. विक्रम यादव ने मेडिसन, डा. आर बी यादव ने हड्डीरोग, डा. सुनील यादव ने सर्जरी, डा. विदुला यादव ने नेत्ररोग, डा. अनिल यादव ने दंतरोग व डा. अजीत यादव ने बालरोग के रोगियों की जांच की।

सट्टा खाई वाली करते हुए एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी । मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सरेआम सट्टा खाई वाली करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला बदायु के गांव सडोला हाल किरायेदार विकास नगर निवासी सतीश के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1470 रुपये बरामद किए है। गत 5 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली की एक शख्स धारूहेड़ा चुंगी के पास फल फ्रूट की रेहड़ी पर सरेआम सट्टा खाईवाली का काम कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके से आरोपी को काबू कर लिया।

जेएनवी में छठी कक्षा में प्रवेश को 29 तक आवेदन

रेवाड़ी। डीसी एवं चेयरमैन जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना अभिषेक मीणा ने बताया कि विद्यालय में आगामी सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छठी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कक्षा छठी में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित की गई है। छठी कक्षा में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 13 दिसंबर को होगी। डीसी मीणा ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत पूर्णतया आवासीय विद्यालय है, जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास उपलब्ध है।

ब्रह्मचर्य तपस्या का सार है और महान फल देने वाला: पंडित रामदत्त शर्मा

देवशयनी एकादशी पर श्याम मंदिरों में उमड़ी भीड़ चातुर्मास की शुरूआत से मांगलिक कार्यों पर विराम

देवोत्थान एकादशी तक नहीं होंगे शुभ कार्य, योग निद्रा में चले गए भगवान विष्णु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। जैतपुर के श्रीश्याम मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो: हरिभूमि

रविवार को देवशयनी एकादशी के साथ ही भगवान विष्णु चार माह के लिए योग निद्रा में चले गए। चातुर्मास की शुरूआत हो गई। अब चार महीने तक मांगलिक कार्य नहीं हो सकेंगे। देव शयन से पहले श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिरों में जमकर उमड़ी। श्याम मंदिरों में भीड़ सबसे ज्यादा रही। राजस्थान के खाटूश्याम धाम जाने के लिए उमड़ी भीड़ के कारण ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं मिली। कुंड के पास जैतपुर धाम में भी श्रद्धालुओं की संख्या काफी ज्यादा रही। सनातन धर्म में चातुर्मास का बड़ा महत्व है, जो आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से शुरू होकर कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तक चलता है। इस बार चातुर्मास का समय रविवार से शुरू होकर 1 नवंबर तक रहेगा। इन 4 माह तक भगवान विष्णु योग निद्रा में चले गए हैं। इस अवधि में मांगलिक कार्य शादी-विवाह, मुंडन आदि कार्य वर्जित रहेंगे। 4 माह के दौरान साधना व उपासना का विशेष महत्व है। ज्योतिषाचार्य पंडित डा. रामदत्त शर्मा का कहना है कि आषाढ़ के शुक्ल पक्ष में एकादशी के दिन उपवास कर मनुष्य भक्तिपूर्वक चातुर्मास्य व्रत प्रारंभ करें। एक हजार अश्वमेघ यज्ञ कर मनुष्य जिस फल को पाता है, वही चातुर्मास्य व्रत के अनुष्ठान से प्राप्त कर लेता है। 4 महीनों में ब्रह्मचर्य का पालन, त्याग, पत्तल पर भोजन, उपवास, मौन, जप, ध्यान, स्नान, दान, पुण्य आदि विशेष लाभप्रद होते हैं। उनका कहना है कि व्रतों में सबसे उत्तम व्रत है ब्रह्मचर्य का पालन। ब्रह्मचर्य तपस्या का सार है और महान फल देने वाला है। ब्रह्मचर्य से बढ़कर धर्म का उत्तम साधन दूसरा नहीं है। चतुर्मास में यह व्रत संसार में अधिक गुणकारक है। शर्मा का कहना है कि मनुष्य सदा प्रिय वस्तु की इच्छा करता है। जो चतुर्मास में अपने प्रिय भोगों का श्रद्धा एवं प्रयत्नपूर्वक त्याग करता है, उसकी त्यागी हुई वस्तुएँ उसे अक्षय रूप में प्राप्त होती हैं। चतुर्मास में गुड़ का त्याग करने से मनुष्य को मधुरता की प्राप्ति होती है। दही छोड़ने से मिलता है गोलोक उन्होंने बताया कि ताम्बूल का त्याग करने से मनुष्य भोग-सामग्री से सम्पन्न होता है और उसका कंठ सुरीला होता है। दही छोड़ने वाले मनुष्य को गोलोक मिलता है। नमक छोड़ने वाले के सभी पूर्तकर्म सफल होते हैं।

कुआं बनवाने का मिलता फल

उनका कहना है कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रीहरि के योगनिद्रा में प्रवृत्त हो जाने पर मनुष्य चार मास अर्थात कार्तिक की पूर्णिमा तक भूमि पर शयन करें। ऐसा करने वाला मनुष्य बहुत से धन से युक्त होता और विमान प्राप्त करता है, बिना मांगे स्वतः प्राप्त हुए अन्न का भोजन करने से बावली और कुआं बनवाने का फल प्राप्त होता है। जो भगवान जनार्दन के शयन करने पर शहद का सेवन करता है, उसे महान पाप लगता है। चतुर्मास में अनार, नींबू, नारियल तथा मिर्च, उड़द और चने का भी त्याग करें।

दूसरों की निंदा करने से बचें

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि चातुर्मास्य में परनिंदा का विशेष रूप से त्याग करें। परनिंदा को सुनने वाला भी पापी होता है। परनिंदा महान पाप है, परनिंदा महान भय है, परनिंदा महान दुःख है और पर निंदा से बढ़कर दूसरा कोई पातक नहीं है। खासकर चातुर्मास के दौरान लोगों को परनिंदा से बचना चाहिए, ताकि उन्हें पाप का भागी नहीं बनना पड़े। चातुर्मास के दौरान मांगलिक कार्यों को अशुभ माना जाता है, जिस कारण इन कार्यों के लिए देवोत्थान एकादशी का इंतजार किया जाता है।

रेवाड़ी। छुरियावास में आयोजित बैठक में मौजूद समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

समिति का उद्देश्य अशोभनीय शब्दों को पूर्णत बंद कराना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- बैठक की अध्यक्षता धनेश व सरवन देवी ने की, समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने मंच संचालन किया

रविवार को गांव छुरियावास में मेघवाल उत्थान समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता धनेश व सरवन देवी ने की। समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक वेदप्रकाश नांगल तेजू ने कहा कि वे किसी का आरक्षण या हक नहीं ले रहे है। मेघवाल उत्थान समिति का उद्देश्य समाज के अशोभनीय शब्दों को पूर्णत बंद कराना है। उन्होंने कहा कि मेघवाल समाज को डीएससी या ओएससी किसी भी श्रेणी में रखा जाए, इससे समिति को कोई आपत्ति नहीं है। समिति के अध्यक्ष सूरजभान मेघवाल ने कहा कि संगठन का विस्तार भी किया जाएगा। शिक्षाविद अशोक मेघवाल ने कहा कि सभी को अंधविश्वास को त्यागना चाहिए। समाज को बहुत ही कुरीतियों को दूर करना भी जरूरी है। इस अवसर सभी वक्ताओं ने अपने विचार रखे। बैठक में पूर्व सरपंच सांवत सिंह, संस्थापक सदस्य परमेश्वर मैनेजर, रूड़ाराम, लालचंद फोरमैन, सतीश नांगल तेजू, उपाध्यक्ष महेंद्रसिंह गुजरीवास, धनपत शाहपुर, तेजपाल, फतेसिंह, हीरासिंह वैध, भानसिंह खोरी, बलवान बलेवा, बिशंबर, नवलसिंह, दिनेश झाझरिया, किरोड़ीमल, भूपसिंह बलेवा, उमेश, सुरेंद्र, अतुल, दीपक, जयसिंह, रमेश, लखन, शमशेर,अभय, शीशराम, राजकुमार, हंसराज, सुखबीर, संदीप, धर्मेन्द्र, रिंकू, धनसिंह, रोहित, सुमन, पूनम, आरती, सरिता, सावित्री, शीतल, निर्मला, कृष्णा देवी, सचिन आदि मौजूद रहे।

बैठक में युवाओं को बताया इतिहास का महत्व

- सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था की बैठक में गांवों के इतिहास लेखन पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

रविवार को सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था की मासिक बैठक यादव भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक यशपाल आर्य ने की। इस मौके पर सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि जिले के सभी गांवों के इतिहास लेखन का कार्य पूर्ण हो चुका है, जहां भी संशोधन की आवश्यकता होगी, उसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इतिहास लेखन के आधार पर बनी टीम के माध्यम से संगठन संस्कृति संरक्षण का दूसरा अध्याय की शुरूआत करेगा, जिसके अंतर्गत गांवों में प्राचीन परंपराओं का पालन, ग्राम प्रतिभाओं का सम्मान और ग्रामीण जीवन की उत्कृष्टता पर ध्यान दिया जाएगा, जिसमें अहीरवाल के बुजुर्गों की ओर से स्थापित मान्यताओं-परंपराओं का वर्तमान पीढ़ी और भावी पीढ़ी के लिए मार्ग प्रशस्त करना रहेगा। इस मौके पर संगठन के लोगों ने बड़े कार्यक्रमों की बजाय ग्राम स्तर पर योजना बनाकर गांव के 50 वर्ष पूर्व के स्वरूप को वापस लाने का मत दिया, जिसमें नवयुवकों की भूमिका पर बल दिया। बैठक में यास्कानंद, बाबू रघुवीर, मास्टर लक्ष्मी नारायण आर्य, शिम्भू सिंह चौहान, सूबेदार गजेंद्र सिंह, वेद प्रकाश आर्य, प्रोफेसर धर्मवीर यादव आदि रहे।

रक्तदान जीवन का बड़ा पुण्य

मोहदीनपुर के शिविर में युवाओं ने किया 50 यूनिट रक्तदान, किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। रक्तदान कैंप के दौरान पौधारोपण करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

गांव मोहदीनपुर में रविवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी अभिमन्यु यादव ने किया। उन्होंने डा. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। शिविर राष्ट्रीय कैंसर संस्थान बाढ़सा के सहयोग से आयोजित हुआ। शिविर में 50 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर अभिमन्यु यादव ने कहा कि रक्तदान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम किया जा सकता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। अभिमन्यु ने कहा डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन देश को समर्पित था।

रेवाड़ी। शहर में कलश यात्रा निकालते हुए श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

ब्रह्मगढ़ में श्रीमद् भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ

रेवाड़ी। भगवान परशुराम ब्रास मार्केट के सामने स्थित ब्राह्मण सभा के ब्रह्मगढ़ परिसर में रविवार से श्रीमद् भागवत स्प्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर कथा वाचक भागवत मंडल वृंदावन धाम से पंडित महेश चंद पतसारिया ने कहा कि श्रीमद् भागवत की कलश यात्रा में एक कदम भी साथ चल दिए तो एक यज्ञ का लाभ मिल जाता है। इससे पूर्व 108 महिला श्रद्धालुओं ने कटला बाजार के नरसिंह मंदिर से कलश धारण कर कथा स्थल तक कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा में महेंद्र गोयल, ब्राह्मण सभा जिला प्रधान चंद्रशेखर गौतम, शिवकुमार शर्मा, ब्रह्मप्रकाश भारद्वाज व सुभाष अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु शामिल थे। श्रीमद भागवत कथा का भक्तजनों के सहयोग से किया जा रहा है। 12 जुलाई तक चलने वाले आयोजन में प्रतिदिन दो बजे से 7 बजे तक कथा का वाचन होगा। बीएमजी सिटी के महेंद्र गोयल के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में 10 जुलाई को सुबह विशेष गुरु पूजा का भी आयोजन होगा।

बाबा मुक्तेश्वरपुरी मठ में शर्मिला का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी। शर्मिला को सम्मानित करते महंत शिवपुरी महाराज व गांव के गणमान्य लोग। फोटो: हरिभूमि

कोसली निवासी शर्मिला यादव के खेलो हरियाणा महाकुंभ बाक्सिंग प्रतियोगिता में ब्रांज मेडल हासिल करने पर रविवार को बाबा मुक्तेश्वरपुरी मठ में सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शर्मिला यादव ने हाल ही में पंचकूला में आयोजित खेलो हरियाणा महाकुंभ में बाक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल हासिल किया था। प्रतियोगिता में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त मुकाबले हुए। शर्मीला ने बाबा मुक्तेश्वरपुरी मठ पहुंचकर बाबा व शिवपुरी महाराज का आशीर्वाद लिया। मठ की ओर से शर्मिला यादव व कोच ममता यादव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व हेडमास्टर सज्जन सिंह यादव, कैप्टन सुभाष यादव, जिला पार्षद जीवन हितेषी, सूबेदार महेन्द्र सिंह, संजय यादव, ओमप्रकाश डाबला, रतनकुमार एडवोकेट, दुलीचंद यादव, सुक्रमपाल, प्रो. सुनील यादव, अशोक कुमार, राकेश यादव, प्राचार्या डा. लाज कौशल व पंच कृष्ण यादव मौजूद थे।

रेवाड़ी। नारनौल रोड पर पौधारोपण करते हुए क्लब के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

गोल्डन लायनेस क्लब ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रेवाड़ी। गोल्डन लायनेस क्लब की ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। क्लब की सदस्याओं ने नारनौल रोड स्थित फार्म पर अनेक पौधे रोपित किए। इस मौके पर क्लब की अध्यक्ष मधु भार्गव ने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह भावी पीढ़ियों के लिए एक जिम्मेदारी है। क्लब इस तरह के सामाजिक व पर्यावरणीय कार्यों में सदैव अग्रणी रहता है। क्लब का उद्देश्य पर्यावरण को स्वच्छ व हरित बनाना है। कार्यक्रम में सचिव नेहा भार्गव, कोषाध्यक्ष रीटा भार्गव, डा. तृप्ति भार्गव, रजनी भार्गव, प्रोमिला भार्गव, संतोष गुप्ता, गीता त्यागी व जनसंपर्क अधिकारी विजय लक्ष्मी सहित सभी सदस्य उपस्थित थे।

रेवाड़ी। चित्रकला प्रतियोगिता का लोगो। फोटो: हरिभूमि

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'कल्पना को छूने दो आसमान' थीम के साथ राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त को पंचकूला के यवनिका गार्डन सेक्टर-5 में किया जाएगा। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को दो आयु वर्गों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी में 6 से 10 वर्ष तक के बच्चों को स्टोरी टेलिंग विषय पर पेंटिंग बनानी होगी, जबकि दूसरी श्रेणी में 11 से 16 वर्ष के प्रतिभागियों को माई विजन विषय पर चित्र बनाना होगा। बताया कि दोनों श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार के रूप में 7100, द्वितीय पुरस्कार 5100 तथा तृतीय पुरस्कार 2100 निर्धारित किए गए हैं।

सरकार कोरोना काल के डीए का ब्याज सहित भुगतान करें

सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के हकों को छीनने का प्रयास न करें सरकार: आरडी शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सुभाष पार्क में आयोजित बैठक में मौजूद रिटायर्ड कर्मचारी।

रविवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पार्क में रिटायर्ड कर्मचारी संघ जिला सभा की बैठक प्रधान रामेश्वर दयाल शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस मौके पर कुलदीप सिंह यादव ने कहा कि आज देश व प्रदेश की सरकार रिटायर्ड कर्मचारियों के हकों पर गिद्ध की नजर रखे हुए हैं। मार्च 2025 में लोकसभा में पारित किए गए वित्त विधेयक भाग फोर्थ को भारत सरकार तुरंत निरस्त करें। उन्होंने कहा कि आज देश विकास कर रहा है, जोकि पेंशनर्स की कड़ी मेहनत, कर्मठता, समर्पण और लग्न से किए गए कार्य की बदौलत है। प्रधान आरडी शर्मा ने कहा कि सरकार, सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के हकों को छीनने का प्रयास न करें और आठवें वेतन आयोग का शीघ्र गठन कर सभी लाभ दे। सरकार कोरोना काल के 18 माह के डीए का ब्याज सहित भुगतान करें। सभी वरिष्ठ नागरिकों को सरकारी व पैनल वाले अस्पतालों में मुफ्त इलाज दे, मेडिकल भत्ता 3000 हजार रुपये, 65 वर्ष की आयु पर 10 प्रतिशत तथा 75 वर्ष की आयु पर 20 प्रतिशत की मूल वेतन में वृद्धि करें। एलटीसी की सुविधा पेंशनर्स के परिवार को चार साल के प्रथम वर्ष में ही देना सुनिश्चित करें।

ये रहे मौजूद

सभी विभागों में रिक्त पदों पर स्थाई भर्ती से नियुक्ती दी करके निजीकरण की नीति को बंद करें। उन्होंने कहा कि आज देश व प्रदेश के विधायक व सांसद तीन से छह-छह पेंशन ले रहे हैं, जबकि यह असंवैधानिक है, फिर कर्मचारियों को इसका कोई अधिकार क्यों नहीं है। उन्होंने 15 जुलाई को आयोजित होने वाले धरना-प्रदर्शन के लिए लोगों से पहुंचने का निवेदन किया। इस मौके पर रामौतार सिंह यादव, महेन्द्र सिंह, पीके गुप्ता, हरिराम सैनी, जगदीश यादव, किशोरी लाल, डा. कंवर सिंह, के एल कोहली, इन्द्र सिंह, महेश शर्मा, ईश्वर सिंह, लच्छीराम, सूबे सिंह व गंजे सिंह मौजूद थे। सभा का संचालन हरिराम सैनी व सतीश ने किया।

सूचना

मैं, बब्लु पुत्र श्री प्रहलाद शर्मा निवासी गांव बैरियावास, तहसील व जिला रेवाड़ी, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र सुरेन्द्र पुत्र श्री बब्लु निवासी गांव बैरियावास, तहसील व जिला रेवाड़ी, हरियाणा मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गोठड़ा टप्पा डहीना जिला रेवाड़ी के 7 पेड़ों की नीलामी कर रही है जो कि दिनांक 8.7.2025 की प्रातः 11:30 बजे धर्मशाला भवन में होगी। बोली की सिक्योरिटी राशि ₹2000 जमा करवानी होगी। बाकी शर्तें मौके पर बताई जाएगी

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत गोठड़ा
टप्पा डहीना, जिला रेवाड़ी

पुलिस का अपराधियों पर हर महीने प्रहार

जून माह में अनेक मामलों में संलिप्त 344 आरोपी दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए जिला पुलिस ने जून माह में चलाए गए स्पेशल अभियान के तहत अवैध कारोबारों में संलिप्त 344 आरोपियों पर शिकंजा कसा है। पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले, सट्टा खाईवाली व जुआ खेलने वाले, अवैध हथियारों के शौकिन व ड्रग्स की तस्करी करने वाले अपराधियों पर कड़ा प्रहार किया है। एसपी हेमेंद्र मीणा ने जिले के सभी थाना प्रभारियों, चौकी इंचार्ज, सीआईए स्टाफ तथा पीओ स्टाफ को मामलों में वांछित आरोपियों की धर-पकड़ के लिए चलाई जा रही मुहिम में आमजन का सहयोग लेकर और तेजी लाने के निर्देश दिए है। एसपी ने कहा कि जिले में किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह की कार्यवाही भविष्य में भी जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी तरह के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में पुलिस थाना, चौकी, पुलिस कंट्रोल रूम या डायल 112 नंबर पर सूचना दे सकते हैं।

रेवाड़ी। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा।

■ जिला पुलिस ने अवैध शराब, जुआ व सट्टा में लगाई राशि, अवैध हथियार, मादक पदार्थ व चोरी किए गए 5 वाहन किए बरामद

पुलिस को इन मामलों में मिली कामयाबी

- जिला पुलिस ने माह जून में 37 उद्घोषित-जमानोत्तर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेजने में कामयाबी हासिल की।
- पुलिस ने 7 अलग-अलग मामलों में अवैध हथियारों के शौकीन 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 4 अवैध देशी कट्टे, 2 देसी पिस्टल, 1 रिवाल्वर व 5 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।
- पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी करने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ 5 मामले दर्ज किए। इन आरोपियों के कब्जे से 10 किलो 900 ग्राम गांजा व 3.77 ग्राम स्मैक बरामद की।
- पुलिस ने शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा अलग-अलग थानों में 17 मामले दर्ज किए गए। आरोपियों के कब्जे से 764 बोतल देशी शराब, 10.5 लीटर कच्ची शराब, 53 बोतल अंग्रेजी शराब व 32 बोतल बियर बरामद की गई।
- पुलिस ने जुआ एवं सट्टा खाईवाली के 4 मामलों में 7 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 39310 रुपये की राशि बरामद की।
- पुलिस ने चोरी हुई 5 मोटरसाइकिलों को बरामद कर वारदातों को अंजाम देने वाले 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया।
- पुलिस ने चोरी के मामलों में 14 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 1 लाख रुपये से ज्यादा की कीमत के चोरी के सामान को बरामद किया।

लापता हुए लोगों को परिवार से मिलाया

जिला पुलिस ने जून माह में जिले के अगल-अलग स्थानों से लापता हुए 78 लोगों को तलाश कर उनके परिवार से मिलाया। लापता हुए लोगों में 19 नाबालिग लड़के व लड़कियां तथा 59 महिला व पुरुष शामिल थे।

खबर संक्षेप

कोसली क्षेत्र के गांव से युवती लापता

कोसली। उपमंडल के गांव से एक 23 वर्षीय युवती बिना किसी को बताए अपने घर से लापता हो गई। युवती के पिता ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी शुक्रवार को अचानक घर से चली गई। उन्होंने अपने स्तर पर सभी जगह उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। पिता के अनुसार वह अपने साथ अपने सभी दस्तावेज, मोबाइल व कुछ पैसे भी ले गई है। पुलिस ने रविवार को गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

तान्या ने पहले प्रयास में की सीए फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण

रेवाड़ी। गांव मीरपुर निवासी तान्या ने 790 सीयूईटी स्कोर के साथ पहले प्रयास में ही सीए फाउंडेशन की परीक्षा उत्तीर्ण कर इलाके व परिवार का नाम रोशन किया है। छात्रा की बुआ शिक्षिका मनीषा यादव ने बताया कि तान्या ने आरपीएस रेवाड़ी से 12वीं कक्षा 97.4 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की थी तथा वह हमेशा पढ़ाई में लग्नशील रहती है। तान्या ने अपनी उपलब्धि का श्रेय दादा विनोद कुमार, दादी राजबाला, पिता नरेश कुमार, मां उषालता व शिक्षकों को दिया है।

गवर्नमेंट ब्वायज स्कूल में नशे से मुक्ति डायरिया व डेंगू की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बाल में रविवार को प्राचार्या सरोज यादव की अध्यक्षता में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मातृभूमि और प्रकृति के प्रति सम्मान और समर्पण को दर्शाने वाले एक पेड़ मां के नाम अभियान की जानकारी दी गई। नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा करने वाले व्यक्तियों को इस बुरी आदत से छुटकारा दिलाने, नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाने और एक स्वस्थ व नशा मुक्त समाज का निर्माण करने की अपील की गई।

बच्चों में डायरिया के उपचार की भी जानकारी दी गई। प्राचार्या ने बताया कि ओरल रिहाइड्रेशन सोल्यूशन जैसे तरल पदार्थ और स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन से डायरिया स्थिति में मदद मिलती है। विद्यार्थियों को बताया गया कि डेंगू बुखार एडीज नामक मच्छर के काटने से होता है।डेंगू बुखार से पीड़ित अधिकांश लोग लगभग एक सप्ताह में ठीक हो जाते हैं, लेकिन कभी-कभी संक्रमण अधिक गंभीर हो जाता है। बच्चों को खेलों की भी जानकारी दी गई। प्राचार्या ने बताया कि शतरंज सबसे प्राचीन, बौद्धिक और सांस्कृतिक खेलों में से एक है, जिसमें खेल, वैज्ञानिक सोच और कला के तत्वों का संयोजन है। शतरंज एक वैश्विक खेल है, जो निष्पक्षता, समावेशिता और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम में शिक्षाविद मनोज वशिष्ठ, लीगल लिटरेसी व ईको क्लब प्रभारी प्रवक्ता गीता शर्मा, मनोविज्ञान प्रवक्ता सोनिया सेतिया व जीवविज्ञान प्रवक्ता शालू ने व्याख्यान दिया। इस मौके पर छात्रों व स्टाफ सदस्यों पौधारोपण भी किया। इस मौके पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। स्कूल में पौधारोपण करते शिक्षक व छात्र।

बीएलओ व सुपरवाइजर का ट्रेनिंग प्रोग्राम आज से

रेवाड़ी। निर्वाचन विभाग की ओर से रेवाड़ी और कोसली में 7 से 11 जुलाई और 14 जुलाई को बीएलओ व सुपरवाइजर के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने बताया कि राव तुलाराम स्टेडियम में ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र के सभी 259 बीएलओ तथा सुपरवाइजरों को एक-एक दिन प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कोसली लघु सचिवालय परिसर में 7 से 11 जुलाई तक कोसली विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ व सुपरवाइजर के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी 276 बीएलओ व सुपरवाइजर भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई के बाद 14 जुलाई को इस कैंप का आयोजन होगा। विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर के अनुसार रोजाना 40 से 45 बीएलओ, सुपरवाइजर को कैंप में बुलाया गया है। कैंप में बीएलओ व सुपरवाइजरों को भारत निर्वाचन आयोग से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर चुनाव के नियमों व चुनाव प्रक्रिया के बारे में जानकारी देंगे।

रेवाड़ी रींगस मेला स्पेशल रेल सेवा शुरू

रेवाड़ी। रेलवे प्रशासन की ओर से खाटू श्याम जी मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 09633/ 09634 रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी मेला स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि गाड़ी संख्या 09633 रेवाड़ी-रींगस मेला स्पेशल रेलसेवा का रविवार से संचालन शुरू किया गया है, जोकि रात 10:50 बजे रेवाड़ी से प्रस्थान करके 1:35 बजे रींगस पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 09634 रींगस-रेवाड़ी मेला स्पेशल रेलसेवा 7 जुलाई को रींगस से दोपहर 2:20 बजे प्रस्थान कर शाम 5:20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। यह रेल सेवा मार्ग में अटेली, नारनौल, डाबला, नीम का थाना, कांवट व श्रीमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

कैडेट्स ने कैंप में सीखे ड्रिल, फायर कंट्रोल ऑर्डर और नेतृत्व क्षमता के गुण

रेवाड़ी। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज लिसाना में चल रहे 8 हरियाणा बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के पांचवें दिन कैंप कमांडेंट कर्नल वीएम सिंह के नेतृत्व में कैडेट्स को फायरिंग, ड्रिल, नेतृत्व क्षमता, सार्वजनिक भाषण और फायर एवं मूवमेंट से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रातः कालीन सत्र में डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल सोमवीर सिंह के मार्गदर्शन में कैडेट्स को फायरिंग का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद लेफ्टिनेंट डा. कविता ने नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक कौशल पर व्याख्यान दिया। इस सत्र में लीडरशिप के जरूरी गुण जैसे आत्मबल, ईमानदारी, अनुशासन, समय की पाबंदी, साहस जैसे गुणों पर बल दिया गया।

मौसम आज से तीन दिनों तक झमाझम बारिश के आसार, फसलों को फायदा

तापमान में बदलाव नहीं आया, उमस ने जमकर सताया, शाम को कई इलाकों में बूंदाबांदी

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

पांच दिनों से दिन के तापमान में खास बदलाव देखने को नहीं मिला है। हवा में नमी का स्तर ज्यादा होने के कारण उमस भरी गर्मी दिन भर लोगों का पसीना निकाल रही है। मानसून शुरू होने के बाद अभी तक भारी बारिश देखने को नहीं मिली है। सप्ताह की शुरूआत अच्छी बारिश से होने की संभावना है। तीन-चार दिनों तक रुक-रुककर बरसात हो सकती है। इसके बाद तापमान में गिरावट आने की संभावना है।

लगातार पांच दिन से दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही चल रहा है। सुबह से आसमान में बादल छाए रहते हैं। दोपहर के समय तेज धूप निकलते ही उमस भरी गर्मी पसीना निकालना शुरू कर देती है। शाम को बादल छाने व बूंदाबांदी होने से मौसम सुहाना हो जाता है। मौसम का मूड फिलहाल इसी तरह का बना हुआ है। रविवार को दिन का तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। रात का तापमान 1.5 डिग्री की गिरावट के साथ 23.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। हवा में नमी का स्तर 76 फीसदी तक रहा, जबकि हवा की गति 10 किमी प्रति घंटा रही। हवा में नमी होने से वातावरण में चिपचिपाहट बनी हुई है। कूलर की हवा में नमी के कारण बेअसर साबित होने लगती है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को दोपहर के समय एक बार धूप निकलने के बाद शाम तक आसमान में बादल गहरा गए। कई इलाकों में बूंदाबांदी, तो कुछ इलाकों में हल्की बरसात हुई। इसके बाद मौसम का मिजाज सुहाना हो गया। शाम तक बादल गहराए जाने से तेज बारिश की संभावना बनी हुई थी।

रेवाड़ी। एक किसान के खेत में खड़ी बाजरे की फसल। फोटो: हरिभूमि

फसलों के लिए लाभदायी बना मौसम

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह मौसम कपास और बाजरा दोनों फसलों के लिए लाभदायी साबित हो रहा है। लगातार हो रही बूंदाबांदी के कारण फसलों को सिंचाई की ज्यादा जरूरत नहीं पड़ रही है। दोनों फसलों का इस मौसम में तेजी से विकास हो रहा है, जिससे फसल उत्पादन भी अच्छा होने की संभावना है। लगभग 90 हजार हेक्टेयर भूमि पर इस साल किसानों ने बाजरे की बिजाई की हुई है। मौसम अच्छा रहने से फसल पर रौनक छाने लगी है।

आज से अच्छी बरसात की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार जुलाई के दूसरे सप्ताह में अच्छी बरसात होने की संभावना है। इस सप्ताह के शुरू में ही झमाझम बारिश हो सकती है, जो अगले दो-तीन दिन तक रुक-रुककर जारी रह सकती है। लगभग एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान मध्यम से भारी बारिश तक हो सकती है। अच्छी बारिश के बाद दिन के तापमान में कमी आने की संभावना है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से कुछ हद तक राहत मिल सकेगी।

नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
उगन्ता देवी बच्चों का अस्पताल

20% off CT SCAN & Lab Test TILL 31 JULY 2024
24 HOURS SERVICE EVERY DAY

CT SCAN की सुविधा उपलब्ध
डॉ. सुधा यादव
PEDIATRICIAN AND CRITICAL CARE SPECIALIST & NEONATOLOGIST
MD, DNB, PFCC MIMA, MIAP
EX. MS, RCPCH-UK (AIIMS, PGI)
सुविधाओं
• नवजात शिशु की सभी सुविधाएं एवं NICU, PICU
• वेंटीलेटर, CPAP, BIPAP, Oxygen नवजात पीलिया
• बच्चों को दौरा आना, दिमांग में कीड़ा, अपाहिज मंदबुद्धि, दिमाग में पानी (हाईड्रोकेफलस)
• डेंगू, मलेरिया, टायफाईड एवं पीलिया का इंफेक्शन लीव रोग, वजन न बढ़ना, बार-बार दस्त लगना पेट दर्द, गेहूं एलर्जी
• छाती रोग, दमा, निमोनिया, टी.बी., चमड़ी रोग एलर्जी
हर रविवार OPD फीस फ्री
सभी मेजर TPA के तहत कैशलैश ईलाज की सुविधा
नईवाली चौक रेवाड़ी
8059105066, 8570982373

दमा एलर्जी जोड़ों का दर्द
डॉ. रघुबीर सिंह Acu.M.D.
9416901254
फोन पर संपर्क करने का समय प्रात: 8 बजे से सायं 6 बजे तक
शुगर पुराना नजला का इलाज
बिना दवा चीनी मशीन द्वारा
रेवाड़ी: हर सोमवार को मिलें
प्राइम न्यूरो स्पाइन एवं सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल
पब्लिक हेल्थ आफिस के सामने, गढ़ी बोलनी रोड, रेवाड़ी
समय: प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक, सायं 5 बजे से 7 बजे तक
दमा, एलर्जी, जोड़ों का दर्द, शुगर, नजला का ईलाज चीनी मशीन द्वारा जड़ से खत्म किया जाता है।
आज भारत में करोड़ों लोग अस्थमा रोग के शिकार है। अस्थमा का उचित उपचार न करने के कारणप हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु भी हो जाती है। अस्थमा रोग किसी भी आयु के व्यक्ति को हो सकता है। अस्थता / दमा यह एक एलर्जी रोग है जिसका समय पर उपचार न करने से रोगी व्यक्ति की हालत गंभीर हो सकती है। अस्थमा का रोकथाम करने के लिए रोगी व्यक्ति को दिए, जाने वाले उपचार की जानकारी और महत्व पता होना जरूरी है।
• श्वसनी दमा फेफड़ों की ऐसी समस्या है, जिससे श्वास नली में बाधा आती है।
• अलग अलग बच्चों में अस्थमा के लक्षण अलग होते है और ये लक्षण एक ही बच्चें में बदलते भी रहते है।
• अस्थमा में श्वास नली पूरी तरह बंद हो जाती हैं, जिससे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को आक्सीजन की आपूर्ति बंद हो सकती है।
• अस्थमा सांस संबंधी रोग है जिसमें व्यक्ति को सांस लेने और छोड़ने में परेशानी होती है। दवाओं के जरिये इसे नियंत्रित तो किया जा सकता है लेकिन ठीक नहीं किया जा सकता है। हमारे इलाज से रोगी को पूर्णतः ठीक किया जाता है।

न्यूरों से संबंधित सभी बीमारियों का एक्यूपंचर द्वारा उपचार
साइटिका सर्वाइकल, फ्रोजन शोल्डर, माइग्रेन, कंधे का दर्द, कमर के हिस्से से पर तक होने वाला दर्द, स्लिप डिस्क, कमर दर्द, हाथों की उंगलियों का कम काम करना, हाथ में लगातार रहने वाला दर्द एवं अन्य लाईलाज न्यूरों की विभिन्न बीमारियों का सफल उपचार।
कौन से ऐसे कारण है जिनसे एलर्जी होती है।
एलर्जी हमारे दैनिक जीवन में भ्रमण करते हुए हमारे आसपास के माहौल/वातावरण से कई कारणों से हा सकती है जैसे पेड़, पौधे, धूल, मिट्टी, पालतु जानवर, दवाएं एवं खाने-पीने की वस्तुएं इत्यादि। 1. एक परिवार के विभिन्न सदस्यों, महिला, पुरूष, बच्चे या वृद्ध की विभिन्न वस्तुओं से एलर्जी हो सकते है। 2. कुछ तो फूलों को छूने से एलर्जी हो सकती है। 3. दूध, दही, मांस, मछली का सेवन करने से भी एलर्जी हो सकती है। 4. पॉलीथीन एवं नायलॉन के साथ भी एलर्जी हो सकती है। 5. सौंदर्य प्रसाधनों के प्रयोग से भी एलर्जी हो सकती है।
आइये जाने क्या है एलर्जी
प्रत्येक मनुष्य भले महिला हो या पुरूष में कुदरत ने बाहरी तत्वों को सहन करने की खास ताकत दी है। फिर भी कई बार ऐसे तत्व जो मनुष्य के शरीर पर दुष्प्रभाव डालने वाले एवं शरीर के भीतर पहुंचने की कोशिश कतेर हैं, तब शरीर के आंतरिक तत्व हलचल में आकर उन उल्टे तत्वों के प्रभाव को शरीर पर पड़ने की कोशिश को रोकते हैं। इस तरह की प्रक्रिया एलर्जी की उत्पत्ति का कारण बनती है। एलर्जी के लक्षण: • शरीर में खुजली • चमड़ी का लाल होना • लाल दाने होना • शरीर में दाने वाली जगह पर सूजन होना। • एलर्जी होने से "एग्जिमा" नाम की बीमारी भी हो जाती है, जिससे जोर से खारिश होना या उस जगह पर पानी का रिसाव होने लगता है। • एलर्जी के कारण कुछ लोगों को अस्थमा नाम की बीमारी हो जाती है। इस स्थिति में रोगी को सांस लेने में परेशानी आती है, फेफड़ों में सूजन होना व जलन होना। • छींकों का आना, नाक बंद होना, नाक की हड्डी टेडी होना, जुकाम होना। • गले में तेज जलन एवं दर्द होना • पेट का दर्द होना • चेहरा, होंट, आंखों में सूजन • जी मिचलाना एवं डायरिया • खाने में तकलीफ

गठिया: डाक्टर ने बताया कि गठिया शरीर के किसी भी एक जोड़ से दर्द शुरू होता है और धीरे-धीरे शरीर के सभी जोड़ प्रभावित होते हैं। सभी जोड़ों में असहनीय दर्द होता है। गठिया का रोगी सालों इलाज करवा कर भी ठीक नहीं हो पाते और डाक्टर कते हैं कि गठिया में सारी उमर दवा खानी पड़ेगी और दवा खाते रोगी के अंग भी टेढ़े-मेढ़े होने लगते हैं, रोगी बिस्तर पर चला जाता है और चलने फिरने से लाचार हो जाता है। डाक्टर कहते है कि एक्यूपेंचर द्वारा गठिया चाहे कितना पुराना भी हो, गठिया रोग जड़ से खत्म हो जाता है।

कृपया ध्यानपूर्वक पढ़े

• गठिया रोग (पुराने से पुराना) • घुटनों का दर्द • कमर दर्द • हिप ज्वाईंट पेन • शुगर व बी.पी. • सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस
• क्या आपका चलना-फिरना, उठना-बैठना, सीढ़िया चढ़ना-उतरना या आपके घुटनों की ग्रीस खत्म हो गई है?
• क्या आपके घुटने टेढ़े-मेढ़े हो गए है?
• क्या डॉटरों ने आपको ऑप्रेशन करवाने की सलाह दी है? ऑप्रेशन से पहले एक बार अपने घुटने हमारे अस्पताल में जरूर आकर दिखाए। आपको ऑप्रेशन करवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी बिना ऑप्रेशन आपके घुटने बिल्कुल सीधे और ठीक हो जायेंगे। कुछ ही दिनों में आराम आना शुरू हो जाएगा।
दमा, एलर्जी क्लीनिक के संचालक डॉ. रघुबीर सिंह यादव का कहना कि विशेष मशीनें नजला रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस पद्धति में रोगी को कोई दवाई लेने की जरूरत नहीं होती। डॉ. यादव का कहना है कि इस बीमारी का प्रकोप अब बूढ़े और जवान व्यक्ति के अलावा बच्चों में भी बहुत अधिक हो रहा। रोगी को चाहिए की इलाज में लापरवाही नहीं बरते और अग्रेजी दवाई से बचना चाहिए क्योंकि अंग्रेजी दवाई आपके शरीर को नुकसान पहुँचती है। नजला एक विजातीय द्रव्य है। हमारे सिर में एक आलफैक्ट्री वाल्व होती है। जिसमें यह जमा रहता है। इसकी सात वाल्व होते है। इसके लीक होने के कई कारण होते है जैसे सर्द-गर्म का बिगड़ना, कफ की अधिकता, सहवास के बाद हवा लगना आदि। नाक के मस्से बढ़ना, नाक रूकना, छींके आना, एलर्जी इत्यादि पहली तीन वाल्व लीक होने से होता है। इसके बाद वाली चार वाल्व लीक होने से यह विजातीय द्रव्य (नजला) गले में अंदर गिरने लगता है, जिसमें सांस की नली जाम हो जाती है। एलर्जी का कोई भी कारण हो यहां ईलाज लेने से रोगी उम्र भर के लिए ठीक हो जाता है। डॉ. यादव के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में दमा मरीजों की संख्या ज्यादा हो रही है। लगातार धूम्रपान करने एवं वातावरण में व्याप्त धूल के कण हवा के कारण यह बढ़ रही है। अगर इसका सही समय पर ईलाज नहीं किया जाता है तो कैंसर होने का खतरा रहता है। कभी-कभी तो आदमी की मौत भी हो जाती है। आजकल यह एक घातक बीमारी सिद्ध हो रही है। इसलिए सही समय के रहते डॉक्टर के पास जांच करवानी चाहिए। यहां इन बीमारियों का ईलाज चीनी पद्धति से किया जाता है। इसमें शरीर में निश्चित बिन्दू होते है, इन बिन्दुओं पर विशेष मशीनों से ईलाज किया जाता है। इसमें कोई चीरे की जरूरत नहीं पड़ती है। हजारों मरीज हमारे यहां फायदा उठा चुके है और उठा रहे है।

विज्ञापन कभी कभी प्रकाशित होता है। विज्ञापन की कटिंग साथ लाऐं।